NAME : ..... **DATE: …….....**

CLASS : ..... **MOB.NO. :**

ROLL NO. : ..... **EMAIL. ID : .....**

Certificate Course for Sanskrit Examination 2021-2022

Paper - Text and Grammar

Time- 3 Hours **Max. Marks- 100**

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं । इनमें से **किसी 4** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके उसे विभागीय ईमेल आईडी sanskrit.cer.dip.du@gmail.com पर मेल करने हेतु 1 घण्टे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।
4. चूंकि यह open-book परीक्षा है अतः उत्तर देने के लिये पुस्तक, नोट्स या अन्य अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are total 6 questions in this question paper. Attempt **any 4** questions. Each question contains equal marks.
3. The 4 questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and uploaded on the departmental email id sanskrit.cer.dip.du@gmail.com, for that you will be given extra 1 hour.
4. As this is “Open-Book” examination so, text books, notes or other study materials may be used to complete the paper.

1. **श्रीमद्भगवद्गीता के सोलहवे अध्याय के आधार पर दैवी तथा आसुरी सम्पद् का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।**
   Explain Daivi and Asuri sampad on the basis of Sixteen Chapter of Shrimad Bhagavad Geeta.

2. **क्षपणक कथा के आधार पर पञ्चतन्त्र के ‘अपरीक्षितकारक’ नामक पञ्चम तन्त्र में निहित शिक्षा विस्तारपूर्वक समझाइये।**
   Describe the moral of Aparikshitkārak of Panchatantra in detail on the basis of kshapanak katha.

3. **किन्हीं तीन श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें तथा रेखांकित शब्दों पर व्याकरण टिप्पणी लिखें।**
   Explain any of the three verses given below with context and write the grammatical notes for the underlying words in verse

   I. **अभयं सत्त्वसंशुद्धिर्ज्ञानयोगव्यवस्थितिः।**
   दानं दमश्च यज्ञश्च <u>स्वाध्यायस्तप</u> आर्जवम्।।

II. प्रवृत्तिं च निवृत्तिं च जना न विदुरासुराः।
न शौचं नापि चाचारो न सत्यं तेषु विद्यते।।

III. शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्यं मधुरता कुले जन्म।
न विराजन्ति हि सर्वे, वित्तविहीनस्य पुरुषस्य।।

IV. अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

4. वृद्धि एवं अयादि सन्धि के सूत्र और अर्थ सहित दस-दस उदाहरण लिखें।
Write the Sutras of Vriddhi and Ayaadi sandhi along with the meaning. Also write ten examples of each sandhi.

5. उकारान्त पुल्लिङ्ग तथा ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग के स्वादि प्रत्यय सहित एक-एक रूप लिखें।
Write the shabdaroop of any ukarant masculine and īkarant feminine with swadi suffixes.

6. पठ्, वद् और सेव् इन धातुओं के तिबादि प्रत्यय सहित पाँचों लकारों में रूप लिखें।
Write the dhathu roop of Path, vad and sev in five lakara with tip suffixes.